

---

## Bhishmakakritam 2 Shri Krishna Stotram

---

# भीष्मककृतं २ श्रीकृष्णस्तोत्रम्

---

### Document Information

---



---

Text title : Bhishmakakritam 2 Shri Krishna Stotram

File name : bhIShmakakRRitaMshrIkRRiShNastotram2.itx

Category : vishhnu, vishnu, krishna, brahmavaivartapurANa, stotra

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : brahmavaivartapurANa | shrIkRRiShNajanma, uttarabhAga | adhyAya  
107/88-91||

Latest update : March 29, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 29, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

भीष्मककृतं २ श्रीकृष्णस्तोत्रम्

---



भीष्मक उवाच ।

सर्वान्तरात्मा सर्वेषां साक्षी निर्लिप्त एव च ।

कर्मिणां कर्मणामेव कारणानां च कारणम् ॥ ८८ ॥

केचिद्वदन्ति त्वामेकं ज्योतीरूपं सनातनम् ।

केचिच्च परमात्मानं जीवो यत्प्रतिबिम्बकः ॥ ८९ ॥

केचित्प्राकृतिकं जीवं सगुणं भ्रान्तबुद्धयः ।

केचिन्नित्यशरीरं च बुद्धा(धा)श्च सूक्ष्मबुद्धयः ॥ ९० ॥

ज्योतिरभ्यन्तरे नित्यं देहरूपं सनातनम् ।

कस्मात्तेजः प्रभवति साकारमीश्वरं विना ॥ ९१ ॥

एवं स्तुत्वा स चाऽऽचान्तः स्मरन्विष्णुं च नारद ।

पाद्यं पद्मार्चिते पादपद्मे चायं ददौ मुदा ॥ ९२ ॥

इति श्रीब्रह्मवैवर्तपुराणे श्रीकृष्णजन्मखण्डे उत्तरे

सप्ताधिकशाततमाध्यायान्तर्गतं भीष्मककृतं

श्रीकृष्णस्तोत्रं समाप्तम् ।

ब्रह्मवैवर्तपुराण । श्रीकृष्णजन्म, उत्तरभाग । अध्याय १०७/८८-९१ ॥

brahmavaivartapurANa . shrIkRRiShNajanma, uttarabhAga . adhyAya  
107/88-91..

Proofread by PSA Easwaran

---

pdf was typeset on March 29, 2025

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

